भारत के आगे झुका चीन, सारी शर्तें मानकर करेगा काम

वाशिंगटन। अमेरिका और चीन के बीच छिड़े टैरिफ विवाद को लेकर मामला अब इतना आगे बढ़ चला है कि चीन अब नए विकल्पों की ओर देखने लगा है। इन विकल्पों में चीन के सामने एक पसंदीदा नाम हमेशा की तरह से भारत सामने आया है। इसके पीछे के कई कारण हैं। हाल के दिनों में भारत और चीन के रिश्तों में गलवान घाटी झड़प के बाद से सुधार देखने को मिल रहा है। चीन पहले के मुकाबले भारत के साथ ज्यादा अकड़ की जगह भारत के साथ प्रेम भाईचारा और दोस्ती के हवाले देकर बात आगे बढ़ाना चाहता है। वहीं दूसरी तरफ भारत के साथ उसका बढ़ता ट्रेड डिफेसिट घाटा भी उसे परेशान कर रहा है कि कहीं भारत कहीं चीन के इस षड़यंत्र से आगे न निकल जाए। इन सब के बीच चीन भारत में निवेश करने के लिए अपनी आतुरता दिखा रहा है। इसके पीछे का एक और बड़ा खेल है।

चीन के निवेश को भारत संयमित रखना चाहता है। वहीं चीन चाहता है कि भारत एक बड़ा बाजार है और वो अपने व्यापार का विस्तार भारत में कर सकता है। यही वजह है कि अब चीन की कई कंपनियां भारत में पहले के मुकाबले ज्यादा लचीला रवैया अपनाने को तैयार नजर आ रही हैं। शंघाई हाईली चीन की बहुत बड़ी कप्रेसर बनाने वाली कंपनी है। इस कंपनी ने टाटा के मालिकाना हक वाली वोल्टास के साथ फिर से ज्वाइंट वेंचर की बातचीत शुरू कर दी है। दो साल पहले इन दोनों कंपनियों का एक ज्वाइंट वेंचर बनने वाला था, जिसमें चीनी कंपनी की हिस्सेदारी 60 त्न थी। लेकिन सरकार ने मंजूरी नहीं दी। लेकिन अब शंघाई हाइले अब माइनॉरिटी हिस्सेदारी रखने को तैयार है। जो पहले बिल्कुल मानने के लिए तैयार नहीं थी। चीन पर भी दबाव है इस बात को समझते हुए चीन भारत के लिए लचिला रुख अख्तियार कर रहा है। केवल यही कंपनी नहीं इसके अलावा हायर भी उनमें से एक है। हायर चीन की बड़ी कंपनी है और वो पहले भारत में अपना 26 फीसदी हिस्सा किसी भारतीय कंपनी को बेचने की योजना बना रही थी। अब खबर है कि हायर अपने बिजनेस का 51 से 55 प्रतिशथ हिस्सा बेचने को तैयार है ताकी वो भारत में बना रह सके और निवेश बढ़ा सके। यानी चीनी कंपनियां भारत की शर्तों को मानने को राजी दिखाई पड़ रही हैं। चाहे वो माइनॉरिटी स्टेक हो या टेक्नोलॉजी शेयर करना हो।

भारतीय बाजार के एक्सपर्ट्स मानते हैं कि दरअसल, चीन पर बढ़ता दबाव और भारत की सजकता चीन को परेशान कर रही है। जिस तरह से भारत और के बीच में ट्रेड डिफेसिट बढ़ रहा है उसे लेकर वाकई में भारत इस मंथन पर जुटा है कि कैसे वो अपनी चीन पर निर्भरता कम कर सके।

यूएस ने हूतियों को टारगेट कर किया अब तक का सबसे बड़ा हमला

अबतक 74 की मौत, 171 घायल

सना। यमन के हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले एक तेल बंदरगाह को निशाना बनाकर किए गए अमेरिकी हवाई हमलों में 74 लोग मारे गए और 171 अन्य घायल हो गए, समूह ने शुक्रवार को कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विद्रोहियों को निशाना बनाकर किए गए नए अभियान के तहत यह अब तक का सबसे घातक हमला है। 15 मार्च से शुरू हुए ट्रम्प के अभियान के नुकसान का आकलन करना अविश्वसनीय रूप से कठिन रहा है क्योंकि अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने अब तक अभियान, इसके विशिष्ट लक्ष्यों और कितने लोग मारे गए हैं, इस बारे में कोई जानकारी जारी नहीं की है। इस बीच, यमन के हौथी विद्रोही हमले वाले क्षेत्रों तक पहुँच को सख्ती से नियंत्रित करते हैं और हमलों की जानकारी प्रकाशित नहीं करते हैं, जिनमें से कई ने संभवतः सैन्य और सुरक्षा स्थलों को निशाना बनाया है। लेकिन रास ईसा तेल बंदरगाह पर हमला, जिससे रात के समय आसमान में आग के बड़े-बड़े गोले उठे, अमेरिकी अभियान के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हुआ। हूतियों ने तुरंत हमले में मारे गए लोगों की ग्राफिक फुटेज जारी की। सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिकी बलों ने ईरान समर्थित हौथी आतंकवादियों के लिए ईंधन के इस स्रोत को खत्म करने और उन्हें अवैध राजस्व से वंचित करने के लिए कार्रवाई की, जिसने 10 वर्षों से अधिक समय से पूरे क्षेत्र को आतंकित करने के हौथी प्रयासों को वित्त पोषित किया है। इस हमले का उद्देश्य यमन के लोगों को नुकसान पहुंचाना नहीं था, जो हूथी शासन के जुए को उतार फेंकना चाहते हैं और शांति से रहना चाहते हैं, ऐसा उन्होंने कहा। इसने किसी भी हताहत की बात स्वीकार नहीं की और जब एसोसिएटेड प्रेस ने कथित तौर पर मारे गए नागरिकों के बारे में पूछा तो उसने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। रास ईसा बंदरगाह, तीन तेल टैंकों और रिफाइनिंग उपकरणों का एक संग्रह, लाल सागर के किनारे यमन के होदेदा प्रांत में स्थित है। जंगल की आग पर नज़र रखने वाले नासा के उपग्रहों ने शुक्रवार की सुबह कामरान द्वीप के पास स्थित इस स्थल पर भीषण आग दिखाई, जिसे पिछले कुछ दिनों में अमेरिका के तीव्र हवाई हमलों का निशाना बनाया गया था। हौथिस के अल-मसीरा सैटेलाइट न्यूज़ चैनल ने घटना के बाद की ग्राफ़िक फ़ुटेज दिखाई, जिसमें पूरे स्थल पर लाशें बिखरी हुई दिखाई दे रही थीं। इसने कहा कि बंदरगाह पर पैरामेडिक और नागरिक कर्मचारी हमले में मारे गए थे, जिससे एक बड़ा विस्फोट हुआ और आग लग गई।

खबर संक्षेप

जहां कटेगा चालान, वहीं कर सकेंगे भुगतान

गाजियाबाद। परिवहन विभाग को जल्द ही दो पीओएस मशीनें मिलेंगी। इसके बाद वाहन का चालान होने जैसी स्थिति में मौके पर ही भुगतान की व्यवस्था होगी और लोगों को आरटीओ कार्यालय के चक्कर लगाने से भी मुक्ति मिलेगी। परिवहन विभाग के अधिकारी जिलेभर में रोजाना औसतन 100 वाहनों पर जुर्माना लगाने की कार्रवाई करते हैं। मौके पर जुर्माना राशि जमा नहीं होने की वजह से वाहनों को कब्जे में लेकर पार्किंग में खड़ा कराया जाता है। इससे वाहन स्वामियों पार्किंग का शुल्क भी अलग से देना पड़ता है। सबसे ज्यादा दिक्कत मोदीनगर, लोनी, मुरादनगर के लोगों को होती है। इन लोगों को जुर्माना भुगतने के लिए आरटीओ कार्यालय आना पड़ता है। इससे उनका समय बर्बाद होता है। कई बार समय पर कार्यालय न पहुंचने की वजह से वाहन दो दिन तक भी बंद रह जाता है। छुटटी में यह समयावधि और बढ़ जाती है। लेकिन अब इस समस्या से स्थाई रूप से निजात मिलेगी। आरटीओ प्रवर्तन केडी गौड ने बताया कि दो पीओएस मशीनें जिले के लिए आवंटित हो गई हैं। इनको फिलहाल बैंक खाते से अटैच किया जा रहा है। अगले सप्ताह तक इसका काम पूरा हो जाएगा और मौके पर ही भुगतान की व्यवस्था भी शुरू हो जाएगी।

टेलीग्राम टास्क के जरिये युवक से ठगे 8.65 लाख रुपये

गाजियाबाद। न्यू विजयनगर निवासी संस्कार बिष्ट को अंजान कॉलर ने घर बैठे कमाई का झांसा देकर आठ लाख 65 हजार 599 रुपये ठग लिए। संस्कार बिष्ट ने बताया कि 24 मार्च को अनजान कॉलर ने कॉल कर नाइस शेयर प्राइस कंपनी का प्रतिनिधि बताया। साथ ही गूगल मैप पर अपनी कंपनी का विज्ञापन दिखाकर कमाई करने का झांसा दिया। लालच में फंसे संस्कार बिष्ट ने विज्ञापन पर क्लिक किया तो उन्हें एक टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ा गया। पहले निशुल्क और फिर प्रीपेड टास्क दिए गए। पीड़ति ने करीब 15 दिनों में आठ लाख 65 हजार 599 रुपये साइबर ठगों के बताए बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। रुपये निकालने पर अतिरिक्त धनराशि की मांग की गई। पीड़ति ने साइबर ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

कंपनी के नाम करोड़ों रुपये लेने के आरोपी की अग्रिम जमानत हुई खारिज

गाजियाबाद। अदालत ने फर्जी बिल बनाकर धोखे से कंपनी के नाम पर करोड़ों रुपये की धनराशि लेने के एक मामले में आरोपी राजीव चौधरी की अग्रिम जमानत अर्जी अदालत ने खारिज कर दी। अदालत के न्यायाधीश मुकेश कुमार ने कहा कि अपराध गंभीर प्रकृति का है, इसलिए अग्रिम जमानत अर्जी खारिज की जाती है। सिहानी गेट थाने में नरेंद्र बंसल ने 22 सितंबर 2022 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया था कि परिचित रजत बहल और राजीव चौधरी ने कहा कि उसकी पावर ग्रिड दिल्ली में जान पहचान है। वहां 2015 में तीन टेंडर निकले थे। दोनों ने कहा कि उनकी कंपनी जयदुर्गा रियलटेक प्रमोटर्स पावर ग्रिड की शर्त क्वालीफाई नहीं करती। इसलिए कंपनी के साथ मिलकर कार्य करते हैं, जिससे कार्य करने व माल की जिम्मेदारी दोनों की होगी।

शेयर मार्केट में निवेश कराने के नाम पर युवक से ठगे 20 लाख

गुरुग्राम। सोहना सिटी थाना में शेयर मार्केट में निवेश कराने के नाम पर 20,16,900 रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ति की शिकायत के आधार पर पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करके छानबीन शुरु कर दी है। सोहना के वार्ड-11 निवासी असलम खान उर्फ जाबिर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह साइबर कैफे चलाते हैं। मार्च 2023 में उनकी मुलाकात आरोपी सौय्यद मौहम्मद बिलाल निवासी गांव छिही बिलरियागंज, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश से हुई थी। आरोपी ने बताया कि उसकी शेयर मार्केट में अपनी फर्म है। लालच में आकर असलम खान उर्फ जाबिर ने आरोपी सौय्यद मौ. बिलाल के बताए शेयर मार्केट ग्रुप में रुपयों का निवेश कर दिया। पीड़ति ने प्रार्थी ने अपने कई जानकार लोगों से उधार रुपये लेकर भी निवेश किए। जब उसने अपने रुपये वापस मांगे तो रुपये देने में आनाकानी करने लगे। ऐसे में उसे अपने साथ हुई ठगी एहसास हुआ। सोहना सिटी थाना की पुलिस ने पीड़ति असलम खान उर्फ जाबिर की शिकायत पर सैय्यद मोहम्मद बिलाल, नेहा, अमन अहमद, मोहम्मद आमिर, आकिब खान, अजीजुर रहमान, नूरूद्दीन, शमशाद और अजमल अब्दुल्ला के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्कूल बस पेड़ से टकराई, बड़ा हादसा टला

15 से अधिक बच्चे थे सवार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में गुरुवार सुबह करीब आठ बजे डी मार्ट से चार मूर्ति की ओर जाने वाले मार्ग पर एक स्कूल बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से हड़कंप मच गया। ब्लूम पब्लिक स्कूल गाजियाबाद की बस अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। हादसे के वक्त बस में 15 से अधिक बच्चे सवार थे, जो स्कूल जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा सुबह करीब आठ बजे हुआ जब बस अचानक से बेकाबू हो गई और सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बिसरख कोतवाली पुलिस और ट्रैफिक पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। बच्चों को स्कूल बस से निकलने में स्थानीय लोगों ने मदद की। गनीमत रही कि यह हादसा स्कूल समय के दौरान भीड़भाड़ से पहले हुआ। जिससे बड़ा हादसा टल गया। हादसे के बाद कुछ देर के लिए मार्ग पर यातायात का दबाव भी रहा। लेकिन मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस की ओर से जल्द ही यातायात सामान्य कराया गया। पुलिस ने बताया कि इस दुर्घटना में किसी भी छात्र को गंभीर चोट नहीं आई है। हालांकि, कुछ बच्चों को हल्की खरोंच आई हैं। एहतियातन सभी बच्चों को दूसरी बस से स्कूल भेज दिया गया। अभिभावकों को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। फिलहाल बस को क्रेन की मदद से सड़क से हटाया जा रहा है ताकि यातायात सामान्य हो सके। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार होने के कारण संतुलन बिगड़ने से हादसे की बात सामने आई है। बस चालक से पूछताछ की जा रही है।

वसुंधरा सेक्टर 7, 8 में बनाई जाएंगी पांच बहुमंजिला इमारतें

गाजियाबाद। सेक्टर सात और आठ की 80 एकड़ जमीन में से 40 एकड़ का लेआउट आवास विकास परिषद ने फाइनल कर दिया है। नियोजन के लिए परिषद ने मुहर लगा दी है। दोनों सेक्टरों में पांच बहुमंजिला आवासीय इमारतें बनाई जाएंगी। वसुंधरा योजना में इन सेक्टरों में आवास का सपना देख रहे लोगों को अपना घर मिल सकेगा। आवास आयुक्त बलकार सिंह ने बताया कि विश्वस्तरीय आवास बनाए जाएंगे। आवास आयुक्त ने बताया कि पहले फेज में करीब 10 एकड़ में एम्स का सैटेलाइट सेंटर, 20 और 10 एकड़ में पांच बहुमंजिला इमारतों के लिए भूखंड काटे जाएंगे। इस आवासीय योजना में स्कूल, बिजलीघर, पार्क, अस्पताल, स्पोर्ट्स कांपलेक्स समेत अन्य सामुदायिक सुविधाओं के लिए भूखंड काटे जाएंगे। विश्वस्तरीय भवनों के निर्माण के लिए निजी विकासकर्ताओं से टेंडर मांगे जाएंगे। इन दोनों सेक्टरों में 80, 668 वर्ग मीटर जमीन पर तीन बहुमंजिला इमारतें बनाई जाएंगी। वहीं, इस सेक्टर में 40, 465 वर्ग मीटर जमीन भविष्य उपयोग के लिए छोड़ दी जाएगी। वहीं, सेकटर-8 में 41 हजार 639 वर्ग मीटर में एक बहुमंजिला सोसायटी और दूसरी सोसायटी 39 हजार वर्ग मीटर में विकसित की जानी है। इसके अलावा इस सेक्टर में 123 लाख वर्ग मीटर जमीन भविष्य के लिए संरक्षित की जाएगी। आवास आयुक्त ने बताया कि इन भूखंडों पर करीब 5000 फ्लैट बनाने की योजना है। वसुंधरा योजना में दिल्ली की तरफ जाने एवं आने के लिए राजनगर एलिवेटेड रोड से जोड़ते हुए पुल का निर्माण किए जाने की योजना पर भी काम चल रहा है। पिछले दिनों आवास आयुक्त ने मौके का स्थलीय निरीक्षण किया था। इसके साथ ही वसुंधरा योजना में अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्पोर्ट कॉम्पलेक्स कम मेला ग्राउंड बनाए जाने की भी योजना है। यह मेला ग्राउंड ऐसा होगा जहां न केवल बच्चे खेल सकेंगे बल्कि इसमें बुजुर्गों के लिए भी एक हॉल बनाया जाएगा। मेला ग्राउंड में पुस्तकालय का भी निर्माण किया जाएगा, जहां बच्चे, युवा व बुजुर्ग बैठ कर किताबें पढ़ सकेंगे। वसुंधरा विकास समिति लंबे अर्से से वसुंधरा में मेला ग्राउंड बनाए जाने की मांग कर रही थी, जिस पर आवास आयुक्त ने अपनी मुहर लगा दी है।

हिमाचल में दो दिन भारी बारिश अंधड़ और ओलावृष्टि का अलर्ट

शिमला। हिमाचल प्रदेश में दो दिन भारी बारिश-बर्फबारी, अंधड़ व ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया गया है। बुधवार रात को भी अंधड़ के साथ बारिश से भारी नुकसान हुआ। तेज हवाओं के कारण प्रदेश भर में जगह-जगह पेड़ गिरने से दर्जनों घर और वाहन क्षतिग्रस्त हो गए थे। जिला हमीरपुर के मैहरे बाजार में एक झुग्गी पर पेड़ गिरने से भीतर सो रहे आठ साल के बच्चे की मौत हो गई, जबकि पिता घायल हैं। वहीं, मंडी में एक महिला की अंधड़ के बीच संतुलन खोकर लेंटर से गिरने से मौत हो गई। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 18 अप्रैल की रात-शाम से 21 अप्रैल तक लाहौल-स्पीति, किन्नौर के अलावा चंबा व कुल्लू के ऊंचे इलाकों में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश-बर्फबारी तथा कुछ स्थानों पर भारी बर्फबारी की संभावना है। इसी तरह कांगड़ा, शिमला, मंडी और चंबा व कुल्लू जिलों के शेष भागों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। वहीं ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, सोलन, सिरमौर जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 23 अप्रैल से पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के अनुसार 18 अप्रैल की रात से 19 अप्रैल की मध्य रात्रि तक चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, सोलन, सिरमौर और शिमला जिले में अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि का अलर्ट है।

घर बैठे कमाई का झांसा देकर महिला से ठगे 14.54 लाख

गाजियाबाद। साइबर ठगों ने वेव सिटी क्षेत्र की शाहपुर बम्हेटा स्थित शौर्यपुरम सोसायटी निवासी कविता तोमर को कॉल कर घर बैठे रोजाना तीन से पांच हजार रुपये कमाने का झांसा देकर टेलीग्राम टास्क के जरिए 14.54 लाख रुपये की ठगी कर ली। वहीं न्यू विजयनगर निवासी युवक से साइबर ठगों ने टेलीग्राम टास्क के जरिये ही 8.65 लाख रुपये ठग लिए। दोनों पीड़तों ने साइबर थाने में मुकदमे दर्ज कराए हैं। एडीसीपी पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि पांच अप्रैल को कविता तोमर के पास अनजान कॉलर का कॉल आया। कॉलर ने बताया कि वह एक चैनल प्रमोट कर रहे हैं, उनसे जुड़ने पर उन्हें तीन से पांच हजार रुपये की प्रतिदिन कमाई होगी। इसके बाद उन्हें टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ा गया और टास्क दिए गए। टास्क पूरे करने पर कविता तोमर के खाते में नौ हजार रुपये तीन ट्रांजक्शन में भेजे गए। इसके बाद उन्हें मोटा मुनाफा कमाने के लिए टास्क खरीदने की बात कही गई। साइबर ठगों के बताए खातों में पीड़ति ने चार दिनों में ही 14 लाख 54 हजार 955 रुपये ट्रांसफर कर दिए। कविता तोमर ने निवेश और लाभ की धनराशि डी-मैट खाते से निकालने का प्रयास किया, लेकिन असफल रही। शिकायत करने पर ठगों ने उन्हें तीन लाख रुपये अतिरिक्त जमा करने का दबाव बनाया। साइबर ठगी का अहसास होने पर पीड़ति ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। बताया कि बीएनएस के अंतर्गत धोखाधड़ी से संपत्ति हड़पने की धारा 318(2) और कम्प्यूटर संसाधनों से पैसे ट्रांसफर करने की धारा 66डी में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बताया कि पीड़ति ने सात अलग-अलग बैंक खातों का विवरण टीम को सौंपा है।

800 नालों की सफाई पर खर्च होंगे 36 करोड़

जलभराव के 445 हॉटस्पॉट नालों की सफाई पर रहेगा जोर

नई दिल्ली। हर साल मानसून में दिल्ली में जलभराव बड़ी चुनौती बनता है। बंद पड़े नाले, समय पर सफाई न होना और निकासी व्यवस्था की कमजोरियों के चलते कई इलाकों में सड़कें लबालब भर जाती हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और आमजन को बड़ी परेशानी होती है। हालांकि, इस बार एमसीडी ने इस समस्या से निपटने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की है। डिफेंस कॉलोनी क्षेत्र का नाले की सफाई नहीं हो सकी है और इसमें गंदा पानी भी गिर रहा है। यहां लगा फिल्टरेशन प्लांट तक चालू नहीं हुआ है। ऐसी कई खामियां हैं, जिनका खुलासा राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की ओर से नियुक्त कोर्ट कमिश्नर वकील राहुल खुराना ने 15 अप्रैल को सौंपी रिपोर्ट में किया है। डिफेंस कॉलोनी स्थित नाले तक पहुंचने के लिए बगल की सड़क से रैंप के माध्यम से केवल तीन प्रवेश बिंदु हैं। इनमें से एक टिन शीट से ढका मिला। दूसरा तारपोलिन से ढका था। तीसरे में 11 अप्रैल को एक जेसीबी नाले की सफाई करती मिली। यहां नाला का बहाव ठहरा था। दरअसल, एनजीटी यमुना नदी में गिरने वाले 24 नालों की सफाई के मामले में सुनवाई कर रही है। ऐसे में जमीनी हकीकत जानने और डिफेंस कॉलोनी क्षेत्र में नाले की सफाई के लिए 9 अप्रैल को पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किया था। उन्हें निर्देश दिए थे कि वह साइट का दौरा करेंगे। गाद हटाने के काम की सीमा का पता लगाएंगे। साथ ही, साक्ष्य के साथ पांच दिन में रिपोर्ट देंगे। निरीक्षण के दौरान एमसीडी अधिकारी और आरडब्ल्यूए डिफेंस कॉलोनी के पदाधिकारी भी शामिल रहें। कवर किए गए कंक्रीट क्षेत्र में कई चौकोर आकार के मैनहोल थे, जो नीचे बहने वाले नाले तक पहुंच प्रदान करते थे। इनमें से अधिकतर में दरारें और टूटे हुए ढक्कन थे। इन टूटे हुए मैनहोल से हल्की दुर्गंध आ रही थी। कुछ स्थानों पर खुदाई के पाइप टूटे हुए और जमीन पर गिरे हुए मिले। फिल्ट्रेशन प्लांट के नीचे नाली में ठोस कचरा मिला है। बारिश के पानी का संचय करने के लिए बनाया गया गड्ढा कंक्रीट स्लैब से ढका है।

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ग्रीन सिटी में बसाएगा 11 सेक्टर

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के किनारे बसाई जाएगी ग्रीन सिटी

फरीदाबाद। उत्तर प्रदेश के जेवर स्थित नोएडा एयरपोर्ट को फरीदाबाद से जोड़ने वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के किनारे एक ग्रीन सिटी बसाए जाने की कवायद शुरू हो गई है। स्मार्ट सिटी की तर्ज पर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ग्रीन सिटी बसाएगा। वर्ष 2031 मास्टर प्लान के अंतर्गत ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर 11 सेक्टर बसाए जाएंगे। नोएडा एयरपोर्ट से महज कुछ मिनटों की दूरी पर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के किनारे बसाई जाने वाली ग्रीन सिटी में आवासीय, औद्योगिक, व्यावसायिक सेक्टर होंगे। ग्रीन सिटी यमुना नदी के किनारे बनाई जाएगी। ग्रीन सिटी के साथ आठ किलोमीटर एलिवेटेड रोड निकलेगी। फरीदाबाद मास्टर प्लान 2031 के तहत इसे बनाया जा रहा है। तेजी से बढ़ते हुए शहरीकरण और 2031 तक 38.86 लाख की आबादी की परिकल्पना के अनुसार एचएसवीपी ने शहर के विस्तार करने के लिए यह योजना तैयार की है। ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर बसने वाली ग्रीन सिटी में लगभग 4 लाख लोगों का बसेरा बन सकेगा। सिटी में आधुनिक शहर की सभी सुविधाएं मुहैया होंगी। इस नए शहर में मॉल, पार्क, उद्योग, स्कूल, कॉलेज और सभी सेक्टरों में बाजार विकसित करने की योजना है। इसके अलावा सेक्टरों में चौड़ी सड़कें, बेहतर ट्रांसपोर्ट की सुविधा उपलब्ध करने की तैयारी है। एचएसवीपी की ओर से ग्रीन सिटी में 11 सिटी बसाने की योजना है। इनमें सेक्टर-94ए, 96, 96ए, 97ए, 99, 101, 101, 102, 103, 140, 141 और सेक्टर-142 होंगे। इन सेक्टरों के अलावा नए बसाए जाने वाले शहर में नोटिफाइड भूमि पर किसी भी तरह के अवैध निर्माण की इजाजत नहीं होगी। वर्तमान में फरीदाबाद में 91 सेक्टर हैं। भूमि अधिग्रहण में आ रही दिक्कतों को देखते हुए एचएसवीपी लैंड पुलिंग योजना के तहत भूमि लेने पर विचार कर रहा है। इसके अंतर्गत ली जाने वाली भूमि को विकसित कर एक निश्चित अनुपात कुछ मानदंडों के आधार पर भूस्वामियों को वापस दिया जाएगा।

नए शहर में व्यावसायिक और औद्योगिक गतिविधियों में 50 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की संभावना जताई गई है। इससे क्षेत्र का विकास भी तेजी से होगा। इस बारे में संदीप दाहिया, अधीक्षण अभियंता एचएसवीपी का कहना है कि ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के किनारे मास्टर प्लान-2031 के अंतर्गत 11 सेक्टर बसाने की योजना है। इस योजना को मूर्त रूप देने का प्रयास किया जाएगा।